अच्छे अखलाक

मौलाना जलील अहसन नदवी रह. राहे अमल हिन्दी.

‘नोट:- हदीष की रिवायत का खुलासा है.’

बिस्मिल्लाहिर्रहमानिर्रहिम

{१} मुअत्ता इमाम मालिक

खुलासा- रसूलुल्लाह ﷺ ने फरमाया मुझे अल्लाह की तरफ से भेझा गया है ताकी अखालाकी अच्छाइयो को इन्तिहा तक पहुंचाउ. यानी आपकी नुबुव्वत का मकसद ये है की लोगों के अखलाक व मामलात को ठीक करे उनके अन्दर से बुरे अखलाक की जडे उखाडे और उन की जगह बेहतर अखलाक पैदा करे, यही तजकीया आप के भेजे जाने का मकसद है. आप ﷺ ने अपने कौल व अमल से तमाम अच्छे अखलाक की फेहरिस्त तयार की, और पूरी जिन्दगी पर जिन्दगी के तमाम शोबो पर लागू किया और हर तरह के हालात में उनसे चिमटे रहने की हिदायत की. अच्छे अखलाक क्या है? इस की तशरीह अब्दुल्लाह बिन मुबारक ने इन अलफाज में की है

तरजुमा- अच्छे अखलाक नाम है खुशरूई का, माल खर्च करने का और किसी को तकलीफ ना देने का. देखिये अच्छे अखलाक का दायरा कितना लम्बा चौडा है.

{२} बुखारी व मुस्लिम; रावी हज़रत अबुल्लाह बिन अमर बिन अल-आस रदी.

खुलासा- रसूलुल्लाह ﷺ ना तो बेहयाई की बात जुबान से निकालते और ना बेहयाई का काम करते और ना दूसरों को बुरा भला कहते और रसूलुल्लाह ﷺ फरमाते थे की तुम में बेहतर लोग वो है जो अखलाक के अच्छे है.

{३} मुअत्ता इमाम मालिक; रावी हजरत मुआज रदी.

खुलासा- रसूलुल्लाह ﷺ ने मुझे यमन भेजते वकत जो आखिरी वसिय्यत रकाब पर पांव रखते वकत फरमाई वो ये थी की लोगों के साथ अच्छे अखलाक में पेश आना.